रॉबर्ट वैनॉय, प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 24

डैनियल 2 - 4 राज्यों की प्रतिमा और स्मैशिंग रॉक

3 का विज़न। डैनियल 2 और 7

ए। जादूगरों/बुद्धिमानों की मृत्यु और डैनियल को रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ

आपकी रूपरेखा में नंबर तीन डैनियल 2 और डैनियल 7 हैं। डैनियल 2 पुस्तक का पहला अध्याय है जिसमें बहुत सारी भविष्यवाणियाँ शामिल हैं। इसमें एक घटना है जहां राजा नबूकदनेस्सर को एक सपना आता है और वह उसे भूल जाता है, और फिर वह अपने बुद्धिमान लोगों से इसकी व्याख्या करने के लिए कहता है और न केवल इसकी व्याख्या करता है, बल्कि उसे यह भी बताता है कि मूल सपना क्या था। अध्याय 2, पद 10 को देखें: ये बुद्धिमान लोग, कसदी, कहते हैं, " ज्योतिषियों ने राजा को उत्तर दिया, 'पृथ्वी पर एक भी मनुष्य नहीं है जो राजा के कहे अनुसार काम कर सके!" किसी भी राजा ने, चाहे वह कितना भी महान और शक्तिशाली क्यों न हो, कभी भी किसी जादूगर, जादूगर या ज्योतिषी से ऐसी बात नहीं पूछी। राजा जो पूछता है वह बहुत कठिन है। देवताओं को छोड़कर कोई भी इसे राजा के सामने प्रकट नहीं कर सकता है, और वे मनुष्यों के बीच नहीं रहते हैं।' इससे राजा इतना क्रोधित और उग्र हो गया कि उसने बेबीलोन के सभी बुद्धिमान लोगों को मार डालने का आदेश दे दिया । इसलिए वह यह अनुरोध करता है और डैनियल राजा से कुछ समय मांगता है और कहता है कि वह राजा को व्याख्या देगा।

तो, आपने पद 19 में पढ़ा, “ रात के समय दानिय्येल को एक दर्शन में रहस्य प्रगट हुआ। तब दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर की स्तुति की और कहा, परमेश्वर के नाम की स्तुति युगानुयुग होती रहेगी; बुद्धि और शक्ति उसी की हैं। वह समय और ऋतु बदलता है; वह राजाओं को स्थापित और पदच्युत करता है। वह बुद्धिमानों को बुद्धि और समझदारों को ज्ञान देता है । वह राजा को स्वप्न बताता है। वह कहता है, “ हे राजा, तुमने देखा, और तुम्हारे सामने एक बड़ी मूर्ति खड़ी थी - एक विशाल, चमकदार मूर्ति, दिखने में अद्भुत। मूर्ति का सिर शुद्ध सोने से बना था, उसकी छाती और भुजाएँ चाँदी की थीं, उसका पेट और जाँघें पीतल की थीं, उसके पैर लोहे के थे, उसके पैर आंशिक रूप से लोहे के और आंशिक रूप से पकी हुई मिट्टी के थे। जब आप देख रहे थे, तो एक चट्टान को काटा गया था, लेकिन मानव हाथों से नहीं। इसने मूर्ति के लोहे और मिट्टी के पैरों पर प्रहार किया

और उन्हें तोड़ दिया। तब लोहा, मिट्टी, पीतल, चाँदी और सोना एक ही समय में टुकड़े-टुकड़े हो गए और ग्रीष्म ऋतु में खलिहान में भूसी के समान हो गए। हवा उन्हें बिना कोई निशान छोड़े उड़ा ले गई। परन्तु जो चट्टान मूर्ति से टकराई वह एक विशाल पर्वत बन गई और सारी पृथ्वी में भर गई। ” तो श्लोक 31-35 में आपके पास स्वप्न है।

बी। नबूकदनेस्सर की मूर्ति स्वप्न की व्याख्या

फिर अध्याय 2, श्लोक 36-45 में आपके पास व्याख्या है: " यह सपना था, और अब हम राजा को इसका अर्थ बताएंगे।" हे राजा, आप राजाओं के राजा हैं। स्वर्ग के परमेश्वर ने तुम्हें प्रभुता, सामर्थ, सामर्थ, और महिमा दी है; उस ने मनुष्यजाति, और मैदान के पशुओं, और आकाश के पक्षियों को तेरे हाथ में कर दिया है। वे जहां कहीं भी रहते हैं, उस ने तुझे उन सब पर हाकिम ठहराया है। आप सोने का वह सिर हैं. तुम्हारे बाद एक और राज्य उदय होगा, जो तुमसे छोटा होगा। इसके बाद, एक तीसरा राज्य, जो पीतल का होगा, पूरी पृथ्वी पर शासन करेगा। अंत में, एक चौथा राज्य होगा, जो लोहे की तरह मजबूत होगा - क्योंकि लोहा हर चीज को तोड़ता और चूर-चूर कर देता है - और जैसे लोहा चीजों को टुकड़े-टुकड़े कर देता है, वैसे ही यह अन्य सभी को कुचल देगा और तोड़ देगा। जैसा तू ने देखा, कि पांव और अंगुलियां कुछ पक्की मिट्टी की और कुछ लोहे की बनी हैं, वैसे ही यह राज्य भी बंटा हुआ होगा; तौभी उसमें लोहे की कुछ शक्ति होगी, जैसा तू ने लोहे को मिट्टी में मिला हुआ देखा। जैसे पैर की उंगलियां कुछ हद तक लोहे की और कुछ हद तक मिट्टी की थीं, उसी तरह यह साम्राज्य कुछ हद तक मजबूत और कुछ हद तक भंगुर होगा। और जैसे तू ने लोहे को पकी हुई मिट्टी में मिला हुआ देखा, वैसे ही लोग एक मिश्रण हो जाएंगे, और एक न रहेंगे, जैसे लोहा मिट्टी में मिल जाता है। उन राजाओं के समय में, स्वर्ग का परमेश्वर एक ऐसा राज्य स्थापित करेगा जो कभी नष्ट न होगा, न ही उसे अन्य लोगों के हाथ में छोड़ा जाएगा। वह उन सभी राज्यों को कुचल देगा और उनका अंत कर देगा, परन्तु वह स्वयं सदैव बना रहेगा। यह पहाड़ से काटी गई चट्टान के दर्शन का अर्थ है, लेकिन मानव हाथों से नहीं - एक चट्टान जिसने लोहे, कांस्य, मिट्टी, चांदी और सोने को टुकड़े-टुकड़े कर दिया। महान ईश्वर ने राजा को दिखाया है कि भविष्य में क्या होगा। स्वप्न सत्य है और व्याख्या विश्वसनीय है ।” तो व्याख्या है.

1. कौन से 4 राज्यों का वर्णन किया गया है: 3 दृश्य अब , यह इस दृष्टि, या सपने में स्पष्ट है, और इसकी व्याख्या से आपके पास चार राज्य हैं। सबसे पहले, सिर की छवि सोने की, छाती और भुजाएँ चाँदी की, पेट और जाँघें पीतल की, टाँगें और पाँव, टाँगें लोहे की, पैरों का कुछ भाग लोहे का और कुछ मिट्टी का है। सवाल यह है कि वे क्या दर्शाते हैं? यहां कौन से राजनीतिक साम्राज्यों का प्रतीक है? फिर, यह कौन सा पत्थर है जो छवि को तोड़ता है और नष्ट कर देता है? अब, इसकी व्याख्या के लिए फिर से तीन बुनियादी दृष्टिकोण हैं। सवाल यह है: छवि के हिस्से किन राज्यों को संदर्भित करते हैं और पत्थर किसका प्रतिनिधित्व करता है? उन प्रश्नों के तीन अलग-अलग उत्तर हैं।

एक। आलोचनात्मक दृष्टिकोण: चरमोत्कर्ष एंटिओकस एपिफेन्स (लगभग 165 ईसा पूर्व) के समय में है और बड़ा पत्थर यहूदी विद्रोह है। पहला यह है कि दृष्टि का चरमोत्कर्ष - बड़ा पत्थर - एंटिओकस एपिफेन्स के समय में है। यह आलोचनात्मक दृष्टिकोण है. उस दृष्टिकोण के समर्थक कहेंगे कि चरमोत्कर्ष लगभग 165 ईसा पूर्व एंटिओकस एपिफेन्स के समय में है। यह दृष्टि नबूकदनेस्सर के बाद के राज्यों के उत्तराधिकार का चित्रण कर रही है जब तक कि आप एंटिओकस एपिफेन्स तक नहीं पहुँच जाते। तो जैसे अध्याय 8 एंटिओकस एपिफेन्स तक जाता है, और अध्याय 11 एंटिओकस एपिफेन्स तक जाता है, वैसे ही अध्याय 2 में भी ऐसा ही है।
बिना हाथों के पत्थर काटना एक यहूदी विद्रोह है जो एंटिओकस से मुक्ति दिलाएगा। तो यह आपको भविष्यवाणी के क्षेत्र में ले आता है, जहां यहूदी एंटिओकस को नष्ट कर देंगे और एक राज्य स्थापित करेंगे जो पूरी पृथ्वी को भर देगा। अब आलोचनात्मक विद्वान कहेंगे कि अध्याय 2 में छवि का दर्शन लिखने वाले के दिमाग में क्या है। वह इतिहास का चित्रण कर रहा है और एंटिओकस को उखाड़ फेंकने और एक राज्य की स्थापना की भविष्यवाणी कर रहा है जो पूरी पृथ्वी को भर देगा। निःसंदेह, हम जानते होंगे कि जिसने भी यह लिखा है, उससे गलती हुई है क्योंकि यहूदी विद्रोह ने भले ही एंटिओकस से छुटकारा पा लिया हो, लेकिन इसने एक ऐसा राज्य स्थापित नहीं किया जिसने पूरी पृथ्वी को भर दिया हो। तो कुछ चीजें ऐसी हैं जो बिल्कुल वैसी नहीं हुईं जैसी अपेक्षा की गई थीं। अब अपने उद्धरणों में पृष्ठ 42 देखें। यह एनडब्ल्यू पोर्टियस से लिया गया है। पहले 3 पैराग्राफ पेज 46 से हैं और आखिरी पैराग्राफ पेज 47 से। यहां बताया गया है कि वह इस दृष्टिकोण को कैसे

विकसित करता है। वह कहते हैं, "इसमें कोई संदेह नहीं है क्योंकि हमने पहले साम्राज्य की पहचान के बारे में देखा है कि यह नव-बेबीलोनियन साम्राज्य है। अधिकांश आधुनिक विद्वान भी इस बात से सहमत हैं कि चौथा साम्राज्य यूनानियों का है। यह दृष्टिकोण सही है कि अध्याय 2 के आधार पर प्रदर्शित करना कठिन हो सकता है, लेकिन जब अध्याय 7 के समानांतर दर्शन और पुस्तक के अंतिम भाग के दर्शन को ध्यान में रखा जाता है, तो एक मामला बनाया जा सकता है जो पुस्तक के आंतरिक साक्ष्यों के बावजूद किसी भी व्यक्ति को आश्वस्त करें जो किसी अन्य दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध नहीं है।"

यहाँ एक दिलचस्प बयान है. “यह निस्संदेह सच है, कि जब लोग प्रारंभिक ईसाई धर्म के सुविधाजनक बिंदु से पीछे मुड़कर देखते हैं, तो उन्होंने चर्च की स्थापना में एक जबरदस्त घटना देखी - भगवान के राज्य की विजयी प्रतिज्ञा की पूर्ति, जैसा कि डैनियल ने देखा था। लेकिन यह सब हमें किताब में क्या कहा गया है, उस पर निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से गौर करने से नहीं रोकना चाहिए।"

और यह उद्धरण में पृष्ठ 42 से है: "जैसा कि हम देखेंगे, सबूत स्पष्ट रूप से एक तारीख की ओर इशारा करते हैं जो एंटिओकस इफिफेन्स के शासनकाल के भीतर बहुत बारीकी से निर्धारित की जा सकती है, लेकिन पुस्तक का पूरा होना जैसा कि हमारे पास अब है, इसे बनाता है स्पष्ट है कि इतिहास का चरमोत्कर्ष उस विशेष समय में आसन्न माना जाता था। यह अपेक्षा अक्षरशः पूरी नहीं हुई, यह एक ऐसा तथ्य है जिसका ईमानदारी से सामना करना होगा।”

पृष्ठ 47 पर चलते हुए, “यदि चौथा राज्य ग्रीस है, तो यह स्पष्ट है कि तीसरा फारस होना चाहिए, और फिर दूसरे राज्य को एपोक्रिफ़ल मेडियन साम्राज्य के रूप में मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं दिखता है, जिसका अस्तित्व बेबीलोनियन और फ़ारसी काल से जुड़ता है। समकालीन अभिलेखों में स्वतंत्र मेडियन साम्राज्य का कोई निशान नहीं है। वास्तविक इतिहास का मेडियन साम्राज्य जिसने 612 ईसा पूर्व में नीनवे को नष्ट करने में अपनी भूमिका निभाई थी, उसे 550 में साइरस द्वारा फारस के राज्य में शामिल कर लिया गया था जब उसने अपने दुश्मनों को हराया था। यह केवल डैनियल की किताब और उस पर निर्भर लेखों में है, कि हम रहस्यमय और चौंकाने वाले मेडियन साम्राज्य से मिलते हैं, जिसे एक ऐतिहासिक भूल के रूप में देखा जाता है।

पृष्ठ 43 के शीर्ष पर । "हमारे पास समकालीन रिकॉर्ड हैं, और वे दिखाते हैं कि नव-बेबीलोनियन राजवंश के पतन और फारस के साइरस द्वारा सत्ता संभालने के बीच [मध्य साम्राज्य के लिए] कोई जगह नहीं है।"

पृष्ठ 49 पर आगे बढ़ते हुए, "यह पहला संकेत देता है कि चौथे राज्य को सिकंदर महान की मृत्यु के बाद विभाजित किया जाना है, और साम्राज्य अंततः टूट गया। दो उत्तराधिकारी राज्य जो यहूदियों के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे, वे थे उत्तर में सेल्यूसिड शक्ति और दक्षिण में टॉलेमिक। दूसरी शताब्दी तक, पूर्व, यानी सेल्यूसिड, ने स्पष्ट रूप से, एंटिओकस थर्ड की जीत से, 198 ईसा पूर्व में पनीस की लड़ाई में अपने टॉलेमिक प्रतिद्वंद्वी पर अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी थी, इतना कि फिलिस्तीन टॉलेमिक से आगे निकल गया था। सेल्यूसिड प्रभाव क्षेत्र तक साम्राज्य। इसलिए , हमें यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि लोहा सेल्यूसिड साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करता है और मिट्टी टॉलेमिक साम्राज्य का। दूसरे, तथापि, लोहे और मिट्टी का मिश्रण दो शाही परिवारों के बीच अंतर्विवाह का प्रतीक है जिसके संदर्भ बाद में देने होंगे। अध्याय 11 देखें। इन अंतर्विवाहों से दोनों परिवारों के बीच स्थिर मित्रता नहीं बन पाई।"

पृष्ठ 50 पर अगला पैराग्राफ, "अगली व्याख्या में डैनियल इस रहस्यमय पत्थर के पास आता है। क्योंकि यह मानवीय एजेंसी के बिना है जो छवि के पैरों, सबसे कमजोर हिस्से पर हमला करता है, और इसे टुकड़ों के ढेर में इतना छोटा और हल्का कर देता है कि वे सभी हवा से उड़ जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह राजाओं के दिनों में हुआ था, जिसका अर्थ चौथे साम्राज्य के राजा थे, न कि सभी चार राज्यों के राजा। यह सपने में नियोजित आकृति का परिणाम है; अर्थात्, चौथे राज्य की छवि दर्शाती है कि सभी राजा समसामयिक रूप से मौजूद थे और एक ही समय में गायब हो गए। इसे दबाना नहीं चाहिए. कालानुक्रमिक अनुक्रम ने स्पष्ट रूप से एक व्याख्या प्रस्तुत की। सपने में इस पत्थर की विचित्र वृद्धि को एक शाश्वत राज्य की स्थापना के अर्थ के रूप में समझाया गया है। जेफ़री वेल का कहना है कि यह समय में साम्राज्य की सार्वभौमिकता में हमेशा के लिए खड़ा है, जैसे पहाड़ का पृथ्वी को भरना अंतरिक्ष में इस सार्वभौमिकता का प्रतिनिधित्व करता है।

यह मूल रूप से डैनियल अध्याय 2 के लिए महत्वपूर्ण दृष्टिकोण है। आप देख सकते हैं कि उत्तराधिकार में एपोक्रिफ़ल मेडियन साम्राज्य शामिल है, जो आपको ग्रीक साम्राज्य तक पहुंचने से

पहले चार साम्राज्य देगा, और फिर ग्रीक साम्राज्य के संदर्भ में मिश्रण देगा। लोहा और मिट्टी सेल्यूसिड्स और टॉलेमीज़ के बीच अंतर्विवाह है।

बी। ईसा मसीह का प्रथम आगमन, ईसा मसीह तोड़ने वाला पत्थर है

दूसरा दृष्टिकोण ईसा मसीह के प्रथम आगमन में चरमोत्कर्ष पाता है। इस दृष्टिकोण के समर्थक कहेंगे कि आलोचनात्मक दृष्टिकोण गलत है। एंटिओकस चौथे नहीं बल्कि तीसरे साम्राज्य में आता है। इस दृष्टिकोण के समर्थक कहेंगे कि एंटिओकस इस अध्याय में बिल्कुल भी प्रकट नहीं होता है। वह अध्याय 8 या 11 में हो सकता है, लेकिन उसका अध्याय 2 से कोई लेना-देना नहीं है। अध्याय 2 में उसका कोई उल्लेख नहीं है। यह स्थिति होगी: सोने का सिर बेबीलोन साम्राज्य है, स्तन और भुजाएं मेदो हैं -फारसी; पेट और जांघें यूनानी साम्राज्य हैं; अलेक्जेंडर और उसके उत्तराधिकारियों के साथ और पैर और पैर रोमन साम्राज्य हैं। तब रोमन साम्राज्य के समय में इस पत्थर पर बिना हाथों के काटे और मारने पर छवि प्रकट होती है, और वह ईसा मसीह हैं। ईसा मसीह के जन्म, जीवन और मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा, आपने मानव साम्राज्यों पर निर्णायक प्रहार किया है। उसके आगमन के साथ एक नया साम्राज्य स्थापित होता है जो पूरी पृथ्वी को कवर करता है।

पृष्ठ 45 देखें; ईजे यंग यहां के प्रतिनिधि हैं। अंतिम पैराग्राफ के आगे, पृष्ठ 45 के नीचे, अध्याय 7 के बारे में है; पहला पैराग्राफ अध्याय दो के बारे में है।

पहला पैराग्राफ अध्याय 2 है। यह यंग के पृष्ठ 79 पर है: "अधिकांश ईसाई व्याख्याता ईसा मसीह और उनके राज्य की प्रगति का संदर्भ पाते हैं।" ये मुझे सही लगता है. “पत्थर, जैसा कि दर्शाया गया है, हाथों से पहाड़ से नहीं काटा गया है, यह दिखाने के लिए है कि यह मनुष्यों द्वारा नहीं बल्कि भगवान द्वारा तैयार किया गया है। जो झटका दिया जाता है वह धातुओं पर उल्टे क्रम में प्रहार करता है, जैसा कि पहले बताया गया था कि इसका प्रभाव पूर्व सांसारिक महानता के अवशेषों पर आगे नहीं बल्कि पीछे की ओर पहुंचेगा। परमेश्वर का राज्य पूरी तरह से विजयी होगा, और मनुष्य का राज्य, जैसा कि छवि में दर्शाया गया था, पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा।” तो यह ईसा के प्रथम आगमन पर पूरा होगा।

अब, मुझे लगता है कि आप देख सकते हैं कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने के कुछ कारण हैं।

आपके पास एक बेबीलोनियन साम्राज्य है, फिर एक मेडो-फ़ारसी, फिर एक ग्रीक और फिर एक रोमन। बेबीलोनियाई, फ़ारसी और यूनानी साम्राज्य 100, 200 या 300 वर्षों तक चले, न कि बहुत बड़े समय तक। फिर आप रोमन साम्राज्य में आते हैं, और इस साम्राज्य के प्रारंभिक काल में आपके पास ईसा मसीह का आगमन होता है। ऐसा प्रतीत हो सकता है कि यदि आप यह कहने जा रहे हैं कि महान पत्थर ईसा मसीह का दूसरा आगमन है तो आपको इस रोमन साम्राज्य को किसी तरह न केवल वर्तमान तक, बल्कि भविष्य में भी विस्तारित करने की आवश्यकता है। जहां तक समय का सवाल है, रोमन साम्राज्य अन्य साम्राज्यों के अनुपात से बाहर है।

कुछ प्रश्न लेकिन तीसरे दृश्य पर जाने से पहले मुझे यहां कुछ प्रश्न पूछने दीजिए। जब डैनियल अध्याय 2, श्लोक 35 में कहता है, वह पत्थर छवि पर प्रहार करता है और वह कहता है, "वह एक बड़ा पहाड़ बन गया" और "उससे सारी पृथ्वी भर गई," इसका क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि जो राज्य यहां स्थापित है वह सुसमाचार के प्रसार के साथ आध्यात्मिक क्षेत्र में पाया जाएगा ? क्या इसका मतलब सुसमाचार का प्रसार है जिसके माध्यम से अंततः पूरी दुनिया ईसाई बन जाएगी? यह सहस्त्राब्दी के बाद का दृष्टिकोण होगा - एक ऐसा दृष्टिकोण जिसके बारे में हम ज्यादा बात नहीं कर रहे हैं। जब हम यशायाह की भविष्यवाणियों को देखते हैं, तो हमने सहस्राब्दी के बाद के इस दृष्टिकोण को देखा जो पृथ्वी पर शांति और न्याय की स्थितियों को बहुत शाब्दिक अर्थ में देखता है, लेकिन वे तब घटित होंगे जब सुसमाचार को अंत तक ले जाया जाएगा। धरती। तो क्या इस दृष्टि से आप प्रथम आगमन की बात कर रहे हैं? क्या आप आध्यात्मिक प्रकार के राज्य के बारे में बात कर रहे हैं? या क्या यह एक ऐसा राज्य है जिसे आपने अभी तक नहीं देखा है लेकिन सुसमाचार के प्रसार के माध्यम से सांसारिक, भौतिक अर्थ में महसूस किया जाएगा? या क्या इस पूर्ति को पहले के बजाय ईसा के दूसरे आगमन के संबंध में देखा जाना चाहिए? देखिए, ये ऐसे प्रश्न हैं जो पूछे जा सकते हैं।

सी। ईसा मसीह का दूसरा आगमन - ईसा मसीह का दूसरा आगमन विध्वंसक पत्थर है

मैं कहता हूं कि हम उन प्रश्नों को एक पल के लिए रोक कर रखें और तीसरे दृष्टिकोण पर जाएं जो कहेगा कि चरमोत्कर्ष ईसा मसीह के दूसरे आगमन पर है। साम्राज्यों का उत्तराधिकार पिछले दृष्टिकोण के समान ही होगा; यानी, बेबीलोनियन, मेडो-फ़ारसी और ग्रीक, लेकिन जब हम पैरों और पैरों तक पहुंचते हैं तो हमें एक अतिरिक्त अंतर मिलता है: हमारे पास रोमन साम्राज्य है, लेकिन दो चरणों के साथ। आपके पास पैर और पैर हैं। इसके दो खंड हैं, पैर लोहे के और पैर, भाग लोहे का और भाग मिट्टी का। सुझाव यह होगा कि आपके पैरों और टांगों के बीच दो चरण हों और दोनों के बीच एक अंतर हो। अब, आप देखिए, यदि आप साम्राज्यों के उस क्रम को देखें, तो बेबीलोन साम्राज्य लगभग 80 वर्षों तक चला, फ़ारसी साम्राज्य लगभग 200 वर्षों तक। सिकंदर की आयु लगभग 280 वर्ष है; उसका अपना शासन नहीं, बल्कि हेलेनिस्टिक साम्राज्य लगभग 50 ईसा पूर्व यानी लगभग 280 वर्षों तक चला। लेकिन फिर आपके सामने रोमन साम्राज्य के बारे में यह प्रश्न आता है; क्या आप इसे 2000 से अधिक वर्षों तक बढ़ाएंगे? वह एक लम्बा साम्राज्य है। आप पूछ सकते हैं कि आज वह कहां है? तो कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि इस चौथे साम्राज्य में पैरों और पैरों के बीच एक अंतर होता है, और यह पैरों के लोहे और पैरों के लोहे और मिट्टी से संकेत मिलता है। अब, यह कृत्रिम प्रतीत हो सकता है, और मुझे लगता है कि फिलहाल हम कह सकते हैं कि हम इसे केवल पकड़ कर रखेंगे और देखेंगे कि क्या कुछ अन्य भविष्यवाणियाँ इस व्याख्या पर कुछ प्रकाश डाल सकती हैं।

गैप के साथ समस्याएँ

मुझे लगता है कि अंतराल के साथ समस्या का एक हिस्सा यह है कि डैनियल में कई बार, शायद इस अध्याय में नहीं, लेकिन आपके पास ये चार राज्य हैं, और एक समानता प्रतीत होती है। अध्याय 8 में चार हैं, और अध्याय 7 में चार हैं, और वे अध्याय 2 के साथ काफी समानांतर हैं। लेकिन फिर यह डिग्री का मामला हो सकता है: यदि आप यहां एक अंतर रखने जा रहे हैं, तो एक अर्थ में आप हम पांचवें साम्राज्य की बात कर रहे हैं, लेकिन पांचवें साम्राज्य की नहीं, जिसका इसे आगे बढ़ाने वाले से कोई लेना-देना नहीं है। दूसरे शब्दों में, पाँचवाँ भाग जो कुछ अर्थों में अपनी उत्पत्ति चौथे से खोजता है। इसमें एक निश्चित एकता के साथ-साथ निरंतरता भी है। लेकिन मुझे लगता है कि

समस्या यह है कि अध्याय 7 और 2 के बीच समानता इतनी प्रभावशाली है; और 7, चार भागों की एक छवि के बजाय, आपके पास चार जानवर, 4 अलग-अलग जानवर हैं। और चौथे के भीतर आपको यह सींग मिलता है जो उभरता है ऐसा लगता है जैसे यह एंटीक्रिस्ट है। तो 7 में प्रश्न यह है कि चौथे साम्राज्य में चरण क्या हैं?

न केवल सुधारक, बल्कि ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने तर्क दिया कि यूरोप, कैथोलिक चर्च, पश्चिमी विचार या कानून, नाटो, उन सभी प्रकार की चीजों को किसी न किसी तरह से रोमन साम्राज्य की इस निरंतरता में शामिल किया गया है। .

2. विभिन्न दृष्टिकोणों पर आपत्तियाँ

मैं रूपरेखा के 2 पर वापस जाना चाहता हूँ, "विभिन्न दृष्टिकोणों पर आपत्तियाँ।" वह पहला दृष्टिकोण, आलोचनात्मक दृष्टिकोण, यदि आप उस पर कायम हैं, तो आपको एंटिओकस एपिफेन्स से पहले चार राज्य प्राप्त करने होंगे, और ऐसा करने का एकमात्र तरीका मेडियन साम्राज्य बनाना है और इसे बेबीलोनियन और फारसी के बीच रखना है। ऐतिहासिक दृष्टि से यह ग़लत है। तो इसका परिणाम यह होता है कि यदि आप उस पद पर हैं, तो आपके पास पिछले इतिहास का गलत बायोडाटा है। आपको यह निष्कर्ष निकालना होगा कि बाइबिल का पाठ गलत है। ईश्वरीय रहस्योद्घाटन का चरित्र नष्ट हो गया है।

लेकिन दूसरा दृष्टिकोण ईसा मसीह का पहला आगमन है। रोमन साम्राज्य वास्तव में लगभग 30 ईसा पूर्व में ही एक साम्राज्य बन गया था, इसलिए पत्थर ईसा मसीह के प्रथम आगमन का उल्लेख करता है और इसे रोमन साम्राज्य के शुरुआती दिनों में रखा गया है। ईसा मसीह की मृत्यु के बाद भी रोमन साम्राज्य लंबे समय तक जारी रहा। मसीह की मृत्यु के काफी समय बाद रोमनों के हाथों आपने यरूशलेम का विनाश किया । पश्चिम में रोमन साम्राज्य 476 ईस्वी में समाप्त हो गया, यानी ईसा के आगमन के चार सौ साल बाद। पूर्व में, यह वास्तव में ग्रीक संस्कृति और विचार से अधिक प्रभावित था और धीरे-धीरे साम्राज्य कॉन्स्टेंटिनोपल के आसपास के क्षेत्र तक सिमट गया, जिसे 1453 ईस्वी में तुर्कों ने जीत लिया था इसलिए पूर्वी भाग में रोमन साम्राज्य के अवशेष 1453 तक चले।

उस दूसरे दृष्टिकोण से एक प्रश्न पूछा जा सकता है: चौथे साम्राज्य का दूसरा चरण कहाँ है? लोहे के पैरों और लोहे और मिट्टी के पैरों के बीच अंतर कहां है? यह रोमन साम्राज्य की शुरुआत में ईसा मसीह के पहले आगमन और छवि को नष्ट करने के साथ कैसे फिट बैठता है?

तीसरा दृष्टिकोण दूसरे आगमन पर चरमोत्कर्ष पर पहुँचता है। हालाँकि, ऐसा लगता है कि इसमें बहुत अधिक समय शामिल है, 2000 वर्षों से भी अधिक, और अंतराल का सुझाव कृत्रिम प्रतीत होगा।

डैनियल 7 के साथ तुलना और समानताएं इसलिए मैं इस बिंदु पर कहूंगा, आइए अध्याय दो के निष्कर्ष पर कोई निर्णय न लें, लेकिन ऐसा करने से पहले, आइए अध्याय 7 को देखें, जो अध्याय 2 के समानांतर है और शुरुआत में अध्याय 7 को स्वतंत्र रूप से देखें। आइए देखें कि अध्याय 7 में क्या स्पष्ट है, फिर इसकी तुलना अध्याय 2 से करें और देखें कि यह अध्याय 2 पर क्या प्रकाश डाल सकता है, और अध्याय 2 में क्या प्रकाश अध्याय 7 पर डाल सकता है। मुझे लगता है कि आप सावधान रहने की कोशिश करते हुए ऐसा कर सकते हैं। अनुच्छेदों को पूर्वकल्पित विचारों या प्रणालियों के अनुरूप धकेलना। अध्याय 2 में, विभिन्न दृष्टिकोणों के साथ कई समस्याएं हैं, इसलिए उस पर खुला दिमाग छोड़ दें फिर अध्याय 7 पर जाएँ और देखें कि अध्याय 7 क्या कहता है। देखें कि क्या 7 अध्याय 2 पर कोई प्रकाश डालता है।

अध्याय 7 पर जाने से पहले हमारा समय समाप्त हो गया है। हम यहां रुकेंगे और अगली बार डैनियल 7 को देखेंगे।

मार्टिन मैलोनी द्वारा लिखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा अंतिम संपादन
डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनः सुनाया गया